Daily Gospel Reflections in Hindi

16 September 2019

मत्ति 5 : 43 - 48

Love your enemy

येसु मसीह अपनी आखिरी साँस तक प्रेम बहाया। हमारा बुलावा भी उसी प्रेम को बहाने के लिए है। क्या आज मैं यह कर सकता है या नहीं?

आज के वचन हमारे सामने ऐसे एक समय को अपने आप में संकेत कराता है कि ऐसा भी हो सकता है या दुश्मनों को भी प्यार करना मुमकिन है। यदि हम सब प्रत्येक विश्वासी ईश्वर के असीम कृपा अपने जीवन में पाए तो उन कृपाओं को दूसरों तक बहाना मेरा कर्त्तव्य है। सामने वाला कोई भी क्यों न हो, ईश्वरीय कृपा के बहाव जो दूसरों के लिए है उसमें कोई भी रूकावट नहीं आना चाहिए।

सभी विश्वासी शायद भौतिक रूप में नहीं बल्कि आत्मिक रूप से किसी के प्रति मनमुटाव रख सकते हैं। आज वचन याद दिलाते हैं कि ऐसी स्थिति में उनके लिए प्रार्थना करना हमारा कर्त्तव्य हैं। येसु अपने मित्र एवं दुश्मनों पर भी आशीष बरसाए। येसू ने कहा कि तुभ भी इस प्रकार किया करो।

Rev. Fr. Santo Pullan

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019